23 साल के सूर्यांश शेडगे को आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में चुना

Page-04

भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

श्रद्धा कपूर बनीं दिग्गज लावणी कलाकार विठाबाई, 'ईथा' का टीजर रिलीज

Page-05

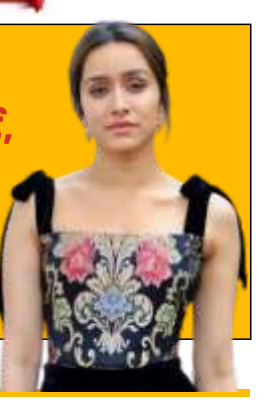

केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा मंजूर

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देशभर के छात्रों और युवाओं से 17 जून को राजस्थान के कोटा में आयोजित होने वाली 'इको ऑफ स्टूडेंट्स' मेगा रैली में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं का भविष्य सुरक्षित करना किसी भी सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन वर्तमान व्यवस्था इस कसौटी पर खरा उतरने में विफल रही है।सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी अपने संदेश में राहुल गांधी ने कहा कि युवाओं के सपनों को लगातार झटके लग रहे हैं। उन्होंने पेपर लीक, परीक्षाओं में अव्यवस्था, भर्ती प्रक्रियाओं के रद्द होने, बढ़ती शिक्षा फीस, निजीकरण और विभिन्न घोटालों का उल्लेख करते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि लाखों छात्र और युवा वर्षों की मेहनत के बाद भी व्यवस्था की खामियों का शिकार हो रहे हैं।उन्होंने कहा कि युवाओं का भविष्य ही देश का भविष्य तय करता है और इसलिए छात्रों की समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राहुल गांधी ने देश के विभिन्न राज्यों, शहरों और कस्बों से छात्रों को कोटा पहुंचकर अपनी आवाज बुलंद करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि छात्रों की आवाज को एक बड़े जनआंदोलन का स्वरूप देने की जरूरत है ताकि शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर सरकार जवाबदेह बने। इस बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी छात्रों के मुद्दों को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाले पेपर लीक और परीक्षा संबंधी विवादों ने लाखों विद्यार्थियों और उनके परिवारों को मानसिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से प्रभावित किया है।

राम मंदिर चढ़ावा जांच में बड़ा खुलासा

कुछ कर्मचारियों पर कार्रवाई की तैयारी

अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे की राशि में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक जांच पूरी कर राज्य सरकार को रिपोर्ट सौंप दी है। यह रिपोर्ट उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद को सौंपी गई है, जो राम मंदिर ट्रस्ट के पदेन (एक्स-ऑफिशियो) सदस्य भी हैं। सूत्रों के अनुसार करीब 140 पन्नों की इस गोपनीय रिपोर्ट में दान राशि की निगरानी, गणना और प्रबंधन व्यवस्था को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए गए हैं।रिपोर्ट में बताया गया है कि मंदिर में आने वाले चढ़ावे की गणना और उसकी निगरानी की मौजूदा व्यवस्था में कई खामियां पाई गई हैं। एसआईटी ने इस बात की भी जांच की कि गणनाकर्मियों का चयन किस प्रकार किया जाता था तथा क्या ट्रस्ट के सदस्यों और गणनाकर्मियों के बीच किसी प्रकार का संबंध था। जांच में इन पहलुओं को विस्तार से शामिल किया गया है। प्रारंभिक जांच के आधार पर कुछ कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है, जिसके चलते उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश की गई है।एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि मामले के कई पहलुओं की अभी और गहन जांच किए जाने की आवश्यकता है। जांच एजेंसी का मानना है कि पूरे मामले की तह तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त समय और अधिक अधिकारियों की जरूरत पड़ेगी। इसलिए रिपोर्ट में जांच को आगे भी जारी रखने तथा सहयोगी अधिकारियों की संख्या बढ़ाने की सिफारिश की गई है।सरकारी सूत्रों के अनुसार, जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि रिपोर्ट अभी गोपनीय है और सरकार की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। लेकिन इस घटनाक्रम ने राम मंदिर में चढ़ावे की व्यवस्था और पारदर्शिता को लेकर नई बहस छेड़ दी है। अब सरकार रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद आगे की कार्रवाई पर निर्णय ले सकती है। एसआईटी की 140 पन्नों की रिपोर्ट में राम मंदिर चढ़ावा प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं तथा कुछ कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर की सिफारिश की गई है।जांच को आगे बढ़ाने के लिए अतिरिक्त समय और अधिक अधिकारियों की आवश्यकता बताते हुए एसआईटी ने विस्तृत जांच जारी रखने की सिफारिश की है।

- एसआईटी की 140 पन्नों की रिपोर्ट में राम मंदिर चढ़ावा प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं तथा कुछ कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर की सिफारिश की गई है।
- जांच को आगे बढ़ाने के लिए अतिरिक्त समय और अधिक अधिकारियों की आवश्यकता बताते हुए एसआईटी ने विस्तृत जांच जारी रखने की सिफारिश की है।

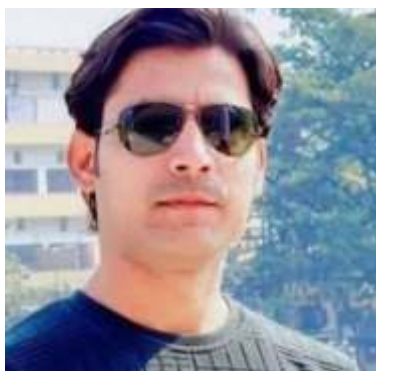

भरत तिवारी एनकाउंटर पर घमासान: पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को कहा कि पंजाब के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल-इंजन सरकार बनाना चाहते हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुँच रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग देख रहे हैं कि हरियाणा में पीएम मोदी के नेतृत्व में कई योजनाएं चल रही हैं। डबल-इंजन सरकार के तहत सीधे लाभ मिल रहे हैं। पंजाब के लोग मोदी के नेतृत्व में डबल-इंजन सरकार लाना चाहते हैं और उन्होंने मन बना लिया है। इस बार, पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पंजाब में भी कमल खिलेगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री सैनी ने नेशनल कैपिटल रीजन प्लानिंग बोर्ड की 42वीं बैठक में बात की, जिसमें क्षेत्रीय विकास से जुड़े अहम फैसले लिए गए। NCR प्लानिंग बोर्ड की 42वीं बैठक आज हुई। इसमें कई मुद्दों पर चर्चा हुई। सबसे पहले, यह तय किया गया कि NCR इलाके में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। यह फ़ैसला लिया गया। आज की बैठक में NCR क्षेत्र के लिए 2041 के रीजनल प्लान पर भी चर्चा हुई। इसे अंतिम रूप देने के लिए एक सब-कमेटी बनाई गई। यह सब-कमेटी केंद्र और राज्य के अधिकारियों और सभी राज्यों के सुझावों पर विचार करेगी और 15 अगस्त तक अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। उन्होंने आगे कहा कि एक और विषय, NCR प्लानिंग बोर्ड की अगली बैठक, दिसंबर के आसपास होगी। इसी तरह, RRTS के साथ-साथ चार नए ग्रीनफील्ड शहरों - नमो सिटीज़ - के विकास के लिए राज्यों से प्रस्ताव मांगे गए हैं।

ईरान-अमेरिका शांति वार्ता के बीच ट्रंप का बड़ा दावा

मध्य पूर्व में लंबे समय से जारी तनाव के बीच अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नई उम्मीदें जगा दी हैं। दोनों देशों के बीच हाल ही में हुई कूटनीतिक बातचीत के बाद क्षेत्रीय हालात में सुधार की संभावनाएं बढ़ी हैं। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान ने वैश्विक राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी है।डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर विश्वास जताते हुए कहा कि वह एक "समस्याओं को सुलझाने वाले नेता" हैं और उन्हें भरोसा है कि यह प्रक्रिया सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेगी। ट्रंप ने उन आशंकाओं को भी खारिज किया, जिनमें कहा जा रहा था कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस शांति प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा चिंताओं का सम्मान करता है, लेकिन वह क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।दरअसल, स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधियों के बीच हाल के दौर की वार्ता को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस बातचीत में परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक प्रतिबंधों जैसे कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने बातचीत जारी रखने पर सहमति भी जताई है, जिसे कूटनीतिक दृष्टि से बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।हालांकि, इजराइल ने इस पूरी प्रक्रिया को लेकर सतर्क रुख अपनाया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने स्पष्ट किया है कि इजराइल अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। उनका कहना है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर इजराइल की चिंताएं अब भी बनी हुई हैं और किसी भी समझौते में इन चिंताओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ती कूटनीतिक सक्रियता से मध्य पूर्व की राजनीति में बड़ा बदलाव आ सकता है। हालांकि, क्षेत्रीय शक्तियों के हितों और सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए यह प्रक्रिया आसान नहीं होगी।

AAP छोड़ने के बाद राघव चड्ढा की पंजाब वापसी

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के पंजाब दौरे ने एक बार फिर राज्य की राजनीति में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। आम आदमी पार्टी छोड़ने के बाद यह उनका पहला पंजाब दौरा था, जिसके बाद राजनीतिक गलियारों में उनकी नई भूमिका को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।राघव चड्ढा सोमवार को लुधियाना पहुंचे, जहां उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने की। बताया जा रहा है कि बैठक का मुख्य उद्देश्य वर्ष 2027 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति तैयार करना था।बैठक में राघव चड्ढा के साथ राज्यसभा सांसद राजिंदर गुप्ता भी मौजूद रहे। राजिंदर गुप्ता ने भी हाल ही में आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थामा था। दोनों नेताओं की मौजूदगी ने यह संकेत दिया कि भाजपा पंजाब में अपने संगठन को मजबूत करने और नए चेहरों को आगे लाने की रणनीति पर काम कर रही है।राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राघव चड्ढा को पंजाब में पार्टी की रणनीतिक जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। चूंकि वह लंबे समय तक पंजाब की राजनीति से जुड़े रहे हैं और राज्य में उनकी पहचान भी मजबूत रही है, इसलिए भाजपा उन्हें आगामी चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका दे सकती है।

एनसीपी (शरद पवार) में टूट की अटकलें तेज, क्या NDA में शामिल होंगे पांच सांसद?

महाराष्ट्र की राजनीति में लगातार हो रहे दलबदल के बीच अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) पर भी संकट के बादल मंडराते दिखाई दे रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में ऐसी चर्चाएं तेज हैं कि पार्टी के आठ लोकसभा सांसदों में से पांच सांसद भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।हाल के दिनों में महाराष्ट्र की राजनीति में कई बड़े राजनीतिक घटनाक्रम सामने आए हैं। पहले तृणमूल कांग्रेस के सांसदों को लेकर अटकलें चलीं और फिर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के छह सांसदों के शिंदे गुट में शामिल होने की खबरों ने विपक्षी खेमे में हलचल पैदा कर दी। अब एनसीपी (शरद पवार) के सांसदों को लेकर सामने आई खबरों ने राज्य की राजनीति को और गर्मा दिया है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि एनसीपी (एसपी) के सांसदों का एक बड़ा वर्ग एनडीए का रुख करता है, तो इसका सीधा असर शरद पवार की राजनीतिक ताकत पर पड़ सकता है। पार्टी पहले ही विभाजन का सामना कर चुकी है, जब अजित पवार अपने समर्थक विधायकों और नेताओं के साथ अलग हो गए थे।सूत्रों के अनुसार, कुछ सांसद आगामी चुनावों में राजनीतिक भविष्य और संगठनात्मक स्थिरता को ध्यान में रखते हुए विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हालांकि पार्टी नेतृत्व लगातार इन अटकलों को खारिज कर रहा है। एनसीपी (एसपी) के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि पार्टी पूरी तरह एकजुट है और किसी भी प्रकार की टूट की संभावना नहीं है। उधर, भाजपा और एनडीए की ओर से भी इस मुद्दे पर फिलहाल कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। हालांकि राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि महाराष्ट्र में बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच आने वाले दिनों में कई अप्रत्याशित घटनाक्रम देखने को मिल सकते हैं।

हिन्दी जगत महामंच
www.tvbharatvarsh.in
भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर
प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

ब्रिक्स बैठक में ईरान-यूएई आमने-सामने

तेहरान ने सैन्य हमलों में शामिल होने का लगाया आरोप

सेशन के दौरान डिप्टी सेक्रेटरी ने एक विज़ुअल डिस्प्ले का भी इस्तेमाल किया, जिसमें मिनाब के उन छात्रों की तस्वीर दिखाई गई, जिनकी मौत कथित तौर पर क्षेत्रीय संघर्ष के शुरुआती दिनों में हुई थी। दूतावास ने लिखा, ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी सेक्रेटरी ने मिनाब के शहीद छात्रों की तस्वीर भी दिखाई ताकि इन हमलों के मानवीय नतीजों की ओर प्रतिभागियों का ध्यान खींचा जा सके।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

नई दिल्ली में ब्रिक्स (BRICS) देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की 16वीं बैठक के दौरान ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के बीच तनाव चरम पर पहुँच गया। ईरानी अधिकारियों ने औपचारिक रूप से यूएई पर आरोप लगाया कि अमेरिका और इज़राइल के ऑपरेशन के दौरान इस्लामिक रिपब्लिक के ख़िलाफ़ हुए सैन्य हमलों में UAE सीधे तौर पर शामिल था। भारत में ईरानी दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के उप-सचिव ग़दीर निज़ामीपुर ने उच्च-स्तरीय सुरक्षा फ़ोरम के दौरान अमीराती प्रतिनिधिमंडल की कड़ी आलोचना करते हुए उनके दावों का कड़ा खंडन किया। इसमें कहा गया है कि सभा को संबोधित करते हुए नेज़ामीपुर ने यूएई के प्रतिनिधि द्वारा तेहरान पर पहले लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया और इसके बजाय चल रहे क्षेत्रीय संघर्ष को लेकर सीधे टकराव का रुख अपनाया। दूतावास ने लिखा, ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के उप-सचिव डॉ. ग़दीर नेज़ामीपुर ने नई दिल्ली में #BRICS देशों की सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की 16वीं बैठक में बोलते हुए, संयुक्त अरब अमीरात के प्रतिनिधि द्वारा इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ़ ईरान पर लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया। होर्मुज़ जलडमरूमध्य में हालिया संकट शुरू करने के लिए अमेरिका और इज़राइल पर आरोप लगाते हुए, नेज़ामीपुर ने अपनी आलोचना का दायरा बढ़ाते हुए UAE को भी इसमें शामिल किया। उन्होंने कहा कि यूएई ने न केवल अपने क्षेत्र का इस्तेमाल हमलों के लिए एक अड्डे के तौर पर करने दिया, बल्कि उन अभियानों में भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया जिनका निशाना ईरानी बुनियादी ढांचा था। इलाके में हाल की घटनाओं का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा: 'पूरी दुनिया ने देखा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) में हमले और संकट की शुरुआत अमेरिका और ज़ायोनी शासन ने की थी। इनमें से कुछ हमले संयुक्त अरब अमीरात (UAE) की ज़मीन पर बने ठिकानों से किए गए थे। फिर भी, इन दुश्मन जैसे कामों की निंदा करने के बजाय, UAE ने सीधे तौर पर हमले में हिस्सा लिया और अपनी ज़मीन का इस्तेमाल ईरान के आम नागरिकों के बुनियादी ढांचे, स्कूलों और अस्पतालों पर हमले के लिए करने दिया। यूएई के प्रतिनिधिमंडल से सीधे अपील करते हुए, नेज़ामीपुर ने नीति में बदलाव का आग्रह किया और 'प्रचार और जोखिम भरे साहसिक कार्यों के खतरों के बारे में चेतावनी दी। पोस्ट में कहा गया हमें उम्मीद है कि संयुक्त अरब अमीरात, प्रचार और जोखिम भरे साहसिक कार्यों में शामिल होने के बजाय, अच्छे पड़ोसी होने के सिद्धांतों का सम्मान करेगा और शांति, स्थिरता और क्षेत्रीय सहयोग का रास्ता चुनेगा।

चीन ने टेक्नोलॉजी की रेस में फिर अमेरिका को मात दे दी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

दुनिया का सबसे तेज सुपरकंप्यूटर बनाकर चीन ने टेक्नोलॉजी की रेस में एक बार फिर अमेरिका को मात दे दी है। शेनझेन के नेशनल सुपरकंप्यूटिंग सेंटर का LineShine सिस्टम अब टॉप 500 लिस्ट में नंबर एक पर पहुंच गया है। तीन साल बाद चीन की इस मामले में वापसी हुई है। हालांकि, AI के मामले में अभी भी अमेरिका को चीन पछाड़ नहीं पाया है, एलन मस्क XAi ने दुनिया भर में अमेरिका की इज्जत बचा ली है। इस मामले में अमेरिका दुनिया में सबसे आगे है। इस बीच, एक्सपर्ट्स यह कह रहे हैं कि सबसे तेज सुपरकंप्यूटर के जरिए चीन की कोशिश है कि दुनिया को दिखाया जाए- हम अमेरिकी चिप्स के बिना भी आगे बढ़ सकते हैं। LineShine पूरी तरह से चीन में डिजाइन किए गए चिप्स पर चलता है। इसमें कोई एडवांस्ड अमेरिकी AI चिप नहीं लगी है। अमेरिका के एल कैपिटन को पीछे छोड़कर यह टॉप पर आया। एल कैपिटन अमेरिकी सरकार का सिस्टम है जो न्यूक्लियर हथियारों के रखरखाव के लिए इस्तेमाल होता है। लेकिन टॉप 500 लिस्ट AI काम को नहीं मापती। यह पुरानी तरह के साइंटिफिक कैलकुलेशन को देखती है। AI बेंचमार्क में LineShine सिर्फ चौथे नंबर पर है। यानी AI ट्रेनिंग या बड़े मॉडल चलाने में यह उतना ताकतवर नहीं है। ट्रंप सरकार ने सोमवार को क्वांटम कंप्यूटिंग पर एक बड़ा एग्जीक्यूटिव ऑर्डर साइन किया। इसका मकसद चीन को पीछे छोड़ना है। पिछले सालों में अमेरिका ने चिप एक्सपोर्ट पर सख्ती की थी। इसी वजह से 2023 के बाद चीन अपनी सिस्टम टॉप 500 में नहीं डाल रहा था। अब अचानक नया सिस्टम सबमिट करके चीन ने दिखा दिया कि उसकी घरेलू टेक्नोलॉजी तैयार है।

अजीत डोभाल ने दिया धांसू बयान हर तरफ होने लगी चर्चा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

ब्रिक्स के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक चल रही है। यह बैठक बहुत अहम है। दो दिनों की इस बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल कर रहे हैं। इसमें समूह के 11 सदस्य देशों के सुरक्षा प्रमुख शामिल हो रहे हैं। इन देशों में भारत, ब्राजील, चीन, मिस्र, इथोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और यूएई भी शामिल है। यह बैठक बहुत खास है। इस बैठक में भारत के एनएसए अजीत डोभाल ने अपने संबोधन में कहा कि मित्रों, हम बहुत ही उथल-पुथल भरे समय में मिल रहे हैं। दुनिया सैन्य संघर्षों और जटिल सुरक्षा समस्याओं से घिरी हुई है। यह भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, आर्थिक तनावों और विघटनकारी तकनीकों का सामना कर रही है। ब्रिक्स (BRICS) राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और सुरक्षा मामलों के लिए जिम्मेदार उच्च पदस्थ अधिकारियों की 16वीं बैठक में आप सभी का स्वागत है। आज आपकी उपस्थिति और ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने के प्रति आपकी निरंतर प्रतिबद्धता के लिए मैं आप में से प्रत्येक को धन्यवाद देता हूं।न केवल खतरे बढ़ रहे हैं, बल्कि हमारे साधन और संस्थागत तंत्र भी इन संघर्षों को हल करने या कम करने के लिए तेजी से अपर्याप्त साबित हो रहे हैं। बहुपक्षवाद

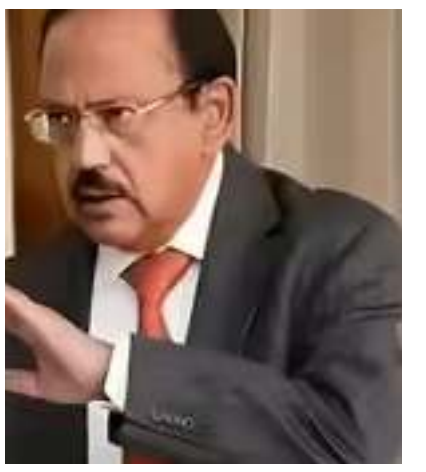

(Multilateralism) कमजोर हो रहा है। ब्रिक्स की कल्पना एक अधिक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के लिए उभरती अर्थव्यवस्थाओं के एक अनौपचारिक समूह के रूप में की गई थी। इसका उद्देश्य आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाना और 'ग्लोबल साउथ' (Global South) की आवाज को मजबूत करना था। इसने वैश्विक शासन में सुधार और संस्थागत सुधारों की भी परिकल्पना की थी। ब्रिक्स देशों का यह समूह एक बहुत ही विशेष गठबंधन है, जो शांति, प्रगति, विकास और सहयोग में विश्वास रखता है। और मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि यह दिन-प्रतिदिन मजबूत होता जा रहा है।

जे.डी. वेंस के "हम पाकिस्तान से प्यार करते हैं" वाले बयान पर बवाल

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के के स्विट्ज़रलैंड में दिए गए "हम पाकिस्तान से प्यार करते हैं" वाले बयान और इस्लामाबाद के लिए "प्यार" जताने वाले बयानों पर बवाल मचा है। दो रिपब्लिकन सीनेटरों ने जेडी वेंस के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि, कतर और पाकिस्तान के आतंकवादियों को पनाह देने के इतिहास को नहीं भूलना चाहिए। सीनेटर रिक स्कॉट ने सोमवार को एक्स (X) पर एक पोस्ट में कहा, "अब तक सभी को यह साफ हो जाना चाहिए कि हमारे असली दोस्त

कौन हैं। कतर और पाकिस्तान का आतंकवादियों को पनाह देने का लंबा इतिहास रहा है, और अभी वे सार्थक शांति हासिल करने के बजाय ईरान के दशकों पुराने आतंकी अभियान को बढ़ावा देने में कहीं ज़्यादा दिलचस्पी ले रहे हैं।" जेडी वेंस पाकिस्तान और कतर के नेताओं के साथ ईरान के साथ शांति समझौते की तकनीकी बारीकियों पर बातचीत कर रहे थे, तभी उन्होंने ये बयान दिया। इसपर स्कॉट ने कहा, "अभी भी एक ऐसे व्यावहारिक समझौते की गुंजाइश है जिससे सभी को फायदा हो। हालांकि, सभी को यह बात अच्छी तरह समझ लेनी चाहिए कि ईरान के परमाणु हथियार बनाने की क्षमता हासिल करने की संभावना बिल्कुल भी नहीं है।" मोंटाना के सीनेटर टिम शीही ने भी फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में अल-कायदा नेता ओसामा बिन लादेन को पनाह देने में पाकिस्तान की भूमिका का ज़िक्र किया और कहा, "पाकिस्तान को लेकर हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इसी पाकिस्तान ने एक दशक तक ओसामा बिन लादेन को छिपाकर रखा था और ISI के ज़रिए अयातुल्ला को फंड दिया था।"

IAF के दस्तावेज़ ने खोली पाकिस्तान के दावों की पोल सभी 36 राफेल अब भी सेवा में

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पाकिस्तान के बार-बार किए जा रहे इन दावों को कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत ने कई राफेल फाइटर जेट खो दिए थे, भारतीय वायु सेना (IAF) के एक आधिकारिक दस्तावेज़ ने एक बार फिर गलत साबित कर दिया है। इस दस्तावेज़ में अभी सर्विस में मौजूद सभी 36 राफेल जेट के पूरे बेड़े के लिए 'ब्रिज सपोर्ट' की मांग की गई है। जून में जारी और 'इंडिया टुडे' द्वारा हासिल किए गए एयर हेडक्वार्टर के 'रिक्वेस्ट फॉर प्रपोज़ल' (RFP) में सभी 36 राफेल फाइटर जेट के लिए पांच महीने के 'ब्रिज सपोर्ट पैकेज' के लिए बोलियां मंगाई गई हैं। यह वही संख्या है जो भारत ने 2016 में सरकार-से-सरकार के बीच हुए समझौते के तहत फ्रांस से खरीदी थी। इस दस्तावेज़ में सितंबर 2026 के बाद भी फ्लीट को चालू रखने के लिए मेंटेनेंस, लॉजिस्टिक्स और टेक्निकल सपोर्ट की मांग की गई है। पांच महीने की सपोर्ट अवधि के दौरान लगभग 2,250 फ्लाइंग आवर्स की योजना बनाई गई है। इस 'ब्रिज सपोर्ट' व्यवस्था का मकसद यह पक्का करना है कि जब तक लंबे समय के लिए सपोर्ट

कॉन्ट्रैक्ट फाइनल नहीं हो जाता, तब तक कामकाज बिना किसी रुकावट के चलता रहे। RFP सीधे तौर पर पाकिस्तान के उस दावे को गलत साबित करता है कि पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत के कई राफेल जेट नष्ट हो गए थे। अगर कोई विमान नष्ट हुआ होता, तो मेंटेनेंस प्रपोज़ल में दिखाए गए बेड़े की संख्या कम होती। पाकिस्तान ने आधिकारिक बयानों और सुनियोजित सोशल मीडिया कैंपेन के ज़रिए बार-बार दावा किया था कि उसके सैनिकों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत के कई राफेल लड़ाकू विमानों को मार गिराया था। भारत ने इन दावों को लगातार गलत जानकारी और दुष्प्रचार करार दिया और पाकिस्तान पर आरोप लगाया कि वह IAF के ऑपरेशन की सफलता को कमतर दिखाने के लिए प्रोपेगैंडा कैंपेन चला रहा है। ताज़ा घटनाक्रम उन पुराने सबूतों को और मज़बूत करता है जिनसे पाकिस्तान के दावों पर पहले ही शक पैदा हो गया था।

संपादक की कलम से

शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न:
देश की सबसे महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में शामिल नीट परीक्षा एक बार फिर विवादों के केंद्र में है। पेपर लीक की आशंकाओं, परीक्षा प्रक्रिया पर उठे सवालों और जांच एजेंसियों की सक्रियता ने न केवल लाखों विद्यार्थियों और अभिभावकों की चिंता बढ़ाई है, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। हाल के घटनाक्रमों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि केवल परीक्षा आयोजित कर देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है।भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं करोड़ों युवाओं के भविष्य का आधार हैं। विद्यार्थी वर्षों तक कठिन परिश्रम कर इन परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। ऐसे में यदि परीक्षा की गोपनीयता भंग होने या प्रश्नपत्र लीक होने की खबरें सामने आती हैं तो सबसे बड़ा आघात उन ईमानदार अभ्यर्थियों को पहुंचता है जिन्होंने अपनी मेहनत और योग्यता के बल पर सफलता प्राप्त करने का सपना देखा होता है। इससे न केवल छात्रों का मनोबल प्रभावित होता है बल्कि पूरी चयन प्रक्रिया पर अविश्वास का वातावरण भी बनता है।पेपर लीक की घटनाएं कोई नई समस्या नहीं हैं। पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न राज्यों और राष्ट्रीय स्तर की कई परीक्षाओं में इस प्रकार की शिकायतें सामने आती रही हैं। यह स्थिति बताती है कि परीक्षा प्रणाली में अभी भी ऐसी कमजोरियां मौजूद हैं जिनका फायदा संगठित गिरोह उठाने में सफल हो जाते हैं। तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ-साथ अपराध के तरीके भी बदल रहे हैं, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था को भी उसी गति से आधुनिक बनाना होगा।सरकार द्वारा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और जांच एजेंसियों की सक्रियता स्वागत योग्य कदम हैं। किंतु केवल कार्रवाई से समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकलेगा। आवश्यकता इस बात की है कि परीक्षा प्रणाली को तकनीकी रूप से अधिक सुरक्षित बनाया जाए, प्रश्नपत्रों की गोपनीयता सुनिश्चित की जाए और परीक्षा प्रक्रिया में शामिल प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही तय हो। साथ ही, दोषियों को शीघ्र और कठोर दंड देकर यह संदेश भी देना होगा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के लिए किसी प्रकार की रियायत नहीं होगी।देश की युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि युवाओं का विश्वास शिक्षा और चयन प्रणाली से डगमगाता है तो इसका प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह राष्ट्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी प्रभावित करेगा। इसलिए समय की मांग है कि सरकार, परीक्षा एजेंसियां और समाज मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करें जिसमें योग्यता ही सफलता का एकमात्र आधार बने और प्रत्येक विद्यार्थी को निष्पक्ष अवसर मिल सके। यही शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक मजबूती और लोकतांत्रिक समानता की पहचान होगी।Ask for changesCtrl

टीएमसी में बगावत गहराई, 8 वरिष्ठ नेता निष्कासित बागी गुट ने बनाया समानांतर संगठन

पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) इन दिनों गंभीर आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी में बढ़ती गुटबाजी और नेतृत्व को लेकर उठे सवालों के बीच संगठन में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। बागी नेताओं की सक्रियता ने ममता बनर्जी के नेतृत्व के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में जारी अंदरूनी कलह अब खुली बगावत का रूप लेती नजर आ रही है। पार्टी नेतृत्व ने मंगलवार को अनुशासनहीनता और पार्टी-विरोधी गतिविधियों के आरोप में फिरहाद हकीम, अरूप बिस्वास समेत आठ वरिष्ठ नेताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया। इस कार्रवाई को पार्टी में बढ़ती गुटबाजी और नेतृत्व पर उठ रहे सवालों के बीच एक बड़े राजनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है।पार्टी सूत्रों के अनुसार, निष्कासित नेताओं पर संगठन की आधिकारिक लाइन के खिलाफ गतिविधियों में शामिल होने और समानांतर राजनीतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप लगे हैं। बाहर निकाले गए नेताओं में फिरहाद हकीम और अरूप बिस्वास सबसे प्रमुख नाम हैं, जो लंबे समय से पश्चिम बंगाल सरकार और पार्टी संगठन में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते रहे हैं। इन दोनों नेताओं का पार्टी से बाहर होना टीएमसी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब पिछले कई सप्ताह से पार्टी के भीतर असंतोष और नेतृत्व को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा था। पार्टी के विभिन्न गुटों के बीच संगठनात्मक फैसलों और नेतृत्व पर नियंत्रण को लेकर खींचतान की खबरें लगातार सामने आ रही थीं। सूत्रों का कहना है कि शीर्ष नेतृत्व ने संगठन में अनुशासन बहाल करने और अपनी पकड़ मजबूत करने के उद्देश्य से यह सख्त कदम उठाया है।इस बीच, टीएमसी के बागी गुट ने भी अपनी सक्रियता बढ़ाते हुए पार्टी पर नियंत्रण की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। विपक्ष के नेता रीताब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी धड़े ने सोमवार को विधायक अरूप रॉय को सर्वसम्मति से पार्टी का अध्यक्ष चुनने का दावा किया। बागी गुट की इस घोषणा को पार्टी संस्थापक और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व के लिए अब तक की सबसे बड़ी चुनौती माना जा रहा है।बागी नेताओं की मौजूदगी में आयोजित विशेष सत्र में अरूप रॉय को अध्यक्ष, जबकि फिरहाद हकीम, अरूप बिस्वास, रथिन घोष और सबीना यास्मीन को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं, रीताब्रता बनर्जी, जावेद खान और संदीपन साहा को महासचिव बनाया गया। नए संगठनात्मक ढांचे के जरिए बागी गुट ने अभिषेक बनर्जी को राष्ट्रीय महासचिव पद से प्रभावी रूप से हटाने का संकेत भी दिया है। रघुनाथगंज के विधायक अखरुज्जमां अंसारी को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि टीएमसी के भीतर पैदा हुआ यह संकट आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल की राजनीति पर गहरा असर डाल सकता है। यदि पार्टी नेतृत्व जल्द ही स्थिति पर नियंत्रण नहीं कर पाया, तो इसका असर संगठन और आगामी चुनावी रणनीति पर भी पड़ सकता है।

मुख्यमंत्री विजय ने 'एक्टर की पार्टी' कहने वाले विरोधियों को दिया करारा जवाब

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

h: तमिलनाडु विधानसभा में मुख्यमंत्री विजय ने अपना संबोधन दिया। इस दौरान उन्होंने एक्टर की पार्टी कहने वाले विरोधियों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी जनता के भरोसे और संघर्ष के दम पर सत्ता में आई है। प्रदेश की जनता के दिल में जगह बनाने के लिए हमने कई संघर्ष किए हैं। कुछ लोग आज भी कहते हैं कि वह सिर्फ एक एक्टर हैं और उनकी पार्टी महज अभिनेता की पार्टी है, लेकिन हमें ऐसी आलोचनाओं की कोई परवाह नहीं है। इस दौरान सीएम विजय ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान टीवीके को 35 प्रतिशत वोट मिले है और यह दो साल के अंदर हासिल हुई है, लेकिन इसके पीछे कई चुनौतियों और साजिशों का सामना भी करना पड़ा है। सीएम ने विधानसभा में यह भी कहा कि वे किसी की विचारधारा के विरोधी नहीं है। उन्होंने कहा कि पेरियार के धार्मिक आस्थाओं को खारिज करने वाले विचार को हमने स्वीकार नहीं किया, लेकिन उनके व्यापक सिद्धांतों को पूरी तरह अपनाया। हमने हमेशा स्पष्ट किया है कि हम किसी की विचारधारा के विरोधी नहीं हैं। सीएम विजय ने कहा कि हमने डॉ. भीमराव अंबेडकर के समान अवसर और सामाजिक न्याय के आदर्शों को

स्वीकार किया है। हमने साफ तौर पर रहा है कि हमारा राजनीतिक विरोधी कौन हैं और वैचारिक विरोधी कौन हैं। सीएम विजय ने करूर में चुनावी रैली से पहले हुई भगदड़ की घटना का भी जिक्र किया। इस दौरान वे भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि 41 लोगों की मौत की पीड़ा मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। यह दर्द जिंदगीभर मेरे साथ रहेगा। लेकिन इस त्रासदी का दोष भी हम पर मढ़ दिया गया। क्या राजनीति इतनी क्रूर हो सकती है? विजय ने अपने संबोधन में तमिलनाडु की राजनीतिक विरासत का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 1967 में अन्नादुरै ने आम लोगों के लिए सरकार बनाई थी।1977 में एमजीआर ने आम लोगों की सरकार बनाई। अब 2026 में विजय की सरकार भी आम लोगों के लिए काम कर रही है।

अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने दिया अपने पद से इस्तीफा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया है। भारत के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सलाह पर संविधान के अनुच्छेद 75 के खंड (2) के तहत, केंद्रीय मंत्रिपरिषद से जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया गया है। जॉर्ज कुरियन केरल बीजेपी के नेता हैं, उन्हें राज्य में हुए विधानसभा चुनावों के मद्देनजर राज्यसभा में लाया गया था और 21 जून को जॉर्ज कुरियन का राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त हो गया था। बता दें कि भाजपा ने पहले ही संकेत दे दिया था कि वह जॉर्ज कुरियन को फिर राज्यसभा नहीं भेज रही है। पार्टी ने जॉर्ज कुरियन की जगह मध्य प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी के महासचिव तरुण चुग को राज्यसभा का टिकट दिया था। बता दें कि दो केंद्रीय मंत्रियों-रवनीत सिंह बिट्टू और कुरियन को 18 जून को हुए राज्यसभा चुनावों के लिए भाजपा ने दोबारा उम्मीदवार नहीं बनाया था। जॉर्ज कुरियन अगस्त 2024 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली तीसरी केंद्रीय कैबिनेट में राज्य मंत्री

(MoS) के तौर पर काम कर रहे थे, उनकी उम्र 65 साल की है और वह बीजेपी के एक सीनियर नेता हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि कुरियन साल 1980 में पार्टी के बनने के समय से ही इसके सदस्य रहे हैं। मोदी कैबिनेट में कुरियन मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री का प्रभार भी संभाल रहे थे। केंद्रीय कैबिनेट में वेएकमात्र ऐसे मंत्री थे जो ईसाई समुदाय से आते हैं। कुरियन केरल के कोट्टायम से हैं और पहले इस दक्षिणी राज्य में बीजेपी यूनिट के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। पेशे से वकील कुरियन टीवी डिबेट्स में एक जाना-पहचाना चेहरा रहे हैं। उन्हें अक्सर केरलम के दौरों के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के भाषणों का मलयालम में अनुवाद करते हुए देखा जाता था। उन्हें 2024 में केंद्रीय कैबिनेट में शामिल किया गया था। इस कदम को केरलम में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए ईसाई समुदाय तक पहुंचने की बीजेपी की कोशिश के तौर पर देखा गया था।

मेहनत का मिला इनाम, 10वीं में 554 अंक लाने वाले छात्र ने पहली बार भरी हवाई उड़ान

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले कई बच्चों के लिए हवाई जहाज में बैठना एक सपना होता है। लेकिन तेलंगाना के पेड्डापल्ली जिले के रामागिरी मंडल के बेगमपेट सरकारी हाई स्कूल के एक टीचर ने इस सपने को बच्चों की कामयाबी का अहम जरिया बना दिया। स्कूल के गणित के टीचर मलका रामाकिशन राव ने अपने वादे को पूरा करते हुए 10वीं (SSC) बोर्ड परीक्षा में शानदार नंबर लाने वाले स्टूडेंट को अपने खर्चे पर हवाई जहाज की सैर कराई है। मैथ्स के टीचर मलका रामाकिशन राव ने इस साल गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान स्कूल में ऐलान किया था कि, 10वीं बोर्ड परीक्षा में जो भी छात्र 600 में से 550 से ज्यादा अंक लाएगा उसे वह इनाम के तौर पर अपनी तरफ से हवाई यात्रा करवाएंगे। श्रीमंथुला पूर्णचंदर नाम के स्टूडेंट ने इस चुनौती को एक्सेप्ट करते हुए परीक्षा में 600 में से 554 अंक हासिल कर यह खास इनाम अपने नाम कर लिया। टीचर रामाकिशन राव ने अपना वादा निभाते हुए खुद के पैसों से पूर्णचंदर को हैदराबाद से विशाखापत्तनम तक फ्लाइट से सफर कराया। यह सफर सिर्फ हवाई यात्रा तक ही सीमित नहीं रहा बल्कि टीचर रामकिशन ने बच्चे को इस शहर के कई फेमस टूरिस्ट प्लेसेस की सैर भी कराई। जिससे यह

ट्रिप पूर्णचंदर के लिए जीवन-भर के लिए यादगार बन गई। शिक्षक रामाकिशन राव का कहना है कि, उनकी इस पहल का खास मकसद स्टूडेंट्स को पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए इंस्पायर करना और सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाना है। उन्होंने यह भी ऐलान किया है कि, उनकी यह योजना आगे भी हर साल जारी रहेगी और 550 से ज्यादा नंबर लाने वाले बच्चों को हवाई सैर का यह मौका मिलता रहेगा। पहली बार हवाई जहाज में बैठने के एक्सपीरियंस को साझा करते हुए पूर्णचंदर ने कहा कि, सर के फ्लाइट वाले वादे ने मुझे बहुत मोटिवेट किया। मैं हवाई यात्रा को लेकर बहुत ज्यादा एक्साइटेड था। टीचर्स के प्रोत्साहन और स्कूल में लगी स्पेशल क्लास की मदद से ही मैं अपना लक्ष्य हासिल कर पाया। स्कूल की हेडमिस्ट्रेस एन शैलजा ने भी बताया कि, लक्ष्य तय करके पढ़ाने के तरीके और नई तकनीक से स्टूडेंट्स के रिजल्ट में काफी सुधार आ रहा है। इस अनोखी पहल ने बच्चों को यह अहसास दिलाया है कि, कड़ी मेहनत और लगन से वे उन चीजों को भी हासिल कर सकते हैं जिनके बारे में उन्होंने सिर्फ कल्पना की थी।

रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान

कार्याध्यक्ष एवं पूर्व महापौर ईरेश अंचटगेरी ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर विद्यालय का नाम रोशन करें। कोषाध्यक्ष जगदीश मळगी ने संगीत की शक्ति और शास्त्रीय संगीत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसी मंच पर पंडित भीमसेन जोशी और मल्लिकार्जुन मंसूर जैसे महान संगीतज्ञ अपनी प्रस्तुतियां दे चुके हैं। उन्होंने संगीत की सकारात्मक ऊर्जा और उसके जीवन पर पडऩे वाले प्रभाव की जानकारी दी। प्राचार्या डॉ. ग्रेटा के. ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभा के पदाधिकारियों एवं सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों से भविष्य में भी रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सभी के सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। विश्व संगीत दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों ने विभिन्न वेशभूषाओं में अपनी प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। स्वागत नृत्य के साथ योग दिवस की आकर्षक प्रस्तुति भी दी गई, जिसे उपस्थित जनों ने खूब सराहा। विद्यार्थियों की प्रतिभा और सक्रिय भागीदारी की सभा के पदाधिकारियों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। इस अवसर पर दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के कार्याध्यक्ष राधाकृष्णन, सभा सदस्य एवं राजीव गांधी सीबीएसई विद्यालय के अध्यक्ष बसवराज तालिकोटी, समन्वयक हेमंत अंगडी, शिक्षकगण, गैर-शिक्षण कर्मचारी, अभिभावक एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से नितीश रेड्डी हुए बाहर

तिलक की टीम ने आसानी से हासिल किया 259 रन का टारगेट

तिलक वर्मा की कप्तानी में हाल ही में इंडिया ए की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका में ट्राई सीरीज अपने नाम किया था। इस ट्राई सीरीज में तिलक वर्मा ने बैटिंग में अच्छा प्रदर्शन किया था। वहां वो 4 अर्धशतक लगाने में कामयाब रहे थे, लेकिन स्ट्राइक रेट की वजह से उनकी काफी ट्रोल किया गया। लेकिन ट्राई सीरीज खत्म होने के बाद अब TG20 टूर्नामेंट में तिलक वर्मा ने तूफानी बल्लेबाजी की और अपनी टीम के लिए शतक ठोक दिया। उन्होंने इस मैच में 22 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था। श्रीलंका ए के खिलाफ फाइनल मैच खेलने के ठीक अगले दिन तिलक वर्मा तेलंगाना टी20 लीग में खेलने पहुंच गए। वे इस टूर्नामेंट में मेडक फाल्कन्स टीम की तरफ से खेल रहे हैं। लीग के पहले ही दिन वारंगल वॉरियर्स के खिलाफ मैच में तिलक ने बिना 136 रनों की शानदार पारी खेली और वह अंत तक नाबाद रहे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए तिलक ने सिर्फ 43 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया। उन्होंने कुल 56 गेंदें खेलीं और अपनी इस पारी में उन्होंने 14 चौके और 7 बड़े-बड़े छक्के लगाए। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में वारंगल वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट खोकर 258 रन बनाए थे। वारंगल वॉरियर्स की तरफ से ओपनर अमन राव ने शानदार 142 रन बनाए। उन्होंने सिर्फ 48 गेंदों का सामना किया, जिसमें 12 चौके और 13 छक्के शामिल थे। रन चेज में

तिलक ने तेज शुरुआत की। उनकी टीम ने चौथे ओवर में ही 50 रन बना लिए थे। तिलक ने सिर्फ 22 गेंदों में अपनी हाफ-सेंचुरी पूरी की और आठवें ओवर में टीम का स्कोर 100 रनों के पार पहुंचा दिया। आखिरी के 5 ओवरों में टीम को जीत के लिए 65 रनों की जरूरत थी। तिलक ने 42 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और विक्रम के साथ मिलकर 58 रनों की पार्टनरशिप की। जब 2 ओवर में 20 रनों की जरूरत थी, तब 19वें ओवर में विक्रम 27 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद तिलक ने अपनी टीम को 19.4 ओवर में 3 विकेट रहते जीत दिला दी।

39 की उम्र में भी लगातार नए-नए रिकॉर्ड बना रहे

भले ही मेसी अपना 39वां जन्मदिन मना रहे हों, लेकिन उनकी नेशनल टीम अर्जेंटीना इस फीफा विश्व कप में उनसे काफी उम्मीदें भी कर रही है। 39 की उम्र में भी वह लगातार नए-नए रिकॉर्ड बना रहे हैं। लियोनेल मेसी का करियर अब तक का सबसे शानदार करियर रहा है। वर्ल्ड कप के अलावा, उन्होंने लगभग हर दूसरी ट्रॉफी जीती है। जब भी वह मैदान पर उतरते हैं, तो हमें किसी जादू की उम्मीद रहती है। विपक्षी डिफेंडर भी यही उम्मीद करते हैं, क्योंकि उन्हें लगातार उनके शानदार मूव्स और 'नटमेग' का सामना करना पड़ता है। 2026 के फीफा में लियोनेल मेसी ने कई रिकॉर्ड तोड़ते हुए और अपनी टीम को वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ़ 32 में पहुँचाते हुए, खुद को आधुनिक दौर का शायद सबसे महान फ़ुटबॉल खिलाड़ी साबित कर दिया है — यह अर्जेंटीना के कप्तान का छठा वर्ल्ड कप है, जो एक रिकॉर्ड है। ऑस्ट्रिया के ख़िलाफ़ ग्रुप J मैच में अपनी टीम के लिए पहला गोल करने के बाद, मेसी ने वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज़्यादा गोल करने का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मेसी का जन्म 24 जून 1987 को रोसारियो, सांता फ़े प्रांत में हुआ था। पिता की तरफ़ से मेसी इटैलियन और स्पैनिश मूल के हैं और माँ की तरफ़ से वे मुख्य रूप से इटैलियन मूल के हैं। एक ऐसे परिवार में पले-बढ़े जो आपस में बहुत जुड़ा हुआ था और जिसे फ़ुटबॉल बहुत पसंद था, "लियो" में कम उम्र से ही इस खेल के लिए जुनून पैदा हो गया। वह लगातार अपने बड़े भाइयों, रोड्रिगो और मटियास, और अपने कज़िन, मैक्सिमिलियानो और इमैनुएल बियानकुची के साथ खेलते थे; ये दोनों ही बाद में प्रोफ़ेशनल फ़ुटबॉलर बने। चार साल की उम्र में, मेसी स्थानीय फ़ुटबॉल क्लब 'अबांडेराडो ग्रांडोली' में शामिल हुए, जहाँ उनके पिता ने उन्हें कोचिंग दी। 13 साल की उम्र में, मेसी और उनका परिवार बार्सिलोना चले गए, जहाँ क्लब ने उनकी ग्रोथ हार्मोन की कमी के इलाज में मदद की। FC बार्सिलोना की U14 टीम से शुरुआत करते हुए, मेसी तेज़ी से आगे बढ़े और अपने शानदार टैलेंट और स्किल्स से सभी को प्रभावित किया। उन्होंने सिर्फ़ 17 साल की उम्र में एस्पानयोल के ख़िलाफ़ सीनियर क्लब के लिए अपना डेब्यू किया और जल्द ही 'ब्लौग्रानास' (बार्सिलोना टीम) के लिए एक अहम खिलाड़ी बन गए।

23 साल के सूर्यांश शेडगे को आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में चुना गया

आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद सूर्यांश शेडगे ने भारत ए के लिए ट्राई नेशन ए सीरीज में दमदार प्रदर्शन किया। उसकी वजह अब उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए टीम इंडिया में भी चुन लिया गया है। बीसीसीआई ने मंगलवार को ही घोषणा की कि चोटिल नीतीश कुमार रेड्डी की जगह अनकैप्ड सूर्यांश लेंगे। पहली बार इंडिया में चुने जाने पर सूर्यांश बेहद खुश हैं। उनका कहना है कि मुझे यकीन नहीं हो रहा है। जब तक मैं आयरलैंड के लिए फ्लाइट में नहीं बैठूंगा, तब तक मैं नहीं समझ पाऊंगा। 23 साल के शेडगे ने टीओआई से बातचीत में कहा कि मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा है कि मेरे बचपन का सपना सच हो गया है। यह एक बहुत ही स्पेशल एहसास है। मुझे अपने मां-पापा (प्रशांत और प्रियदर्शिनी) पर गर्व है, क्योंकि उनके संघर्ष और त्याग के चलते ही मैं यहां तक पहुंच सका हूं। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि अगर वे नहीं होते, तो मैं क्रिकेटर ही नहीं बन पाता। उन्होंने बताया कि मेरी मां बैंक में जॉब करती थीं, लेकिन मेरे लिए उन्होंने अपनी नौकरी ही छोड़ दी, क्योंकि उन्हें मेरे साथ प्रैक्टिस और मैचों में जाना पड़ता था। सूर्यांश ने इसके लिए अपने कोचों का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि मनीष बंगेरा, जतिन और मोंटी देसाई ने जिस तरह से मेरे इस सफर में मेरी सहायता की है, वह बहुत अविश्वसनीय है। उन्हें सच में मुझ पर भरोसा था। वे मुझे लगातार मुझे मेरी काबिलियत के बारे में बताते रहें, जिससे मैंने खुद पर भरोसा करना सीखा। इस चीज ने मेरी बहुत मदद की। बता दें कि वह भारत के नए टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर के अंडर मुंबई और पंजाब किंग्स दोनों के लिए खेल

चुके हैं। इस पर उन्होंने कहा कि पिछले दो सालों में मैंने उनके अंडर चार बार डेब्यू किया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी, इंडिया ए और आईपीएल में। वह ऐसे खिलाड़ी हैं, जो टीम के प्रति अपने कमिटमेंट के मामले में अपना 100 प्रतिशत देते हैं और यह सोच पूरी टीम में आ जाती है।

93 की उम्र में भी थिएटर में काम कर रही महिला

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें आप देख सकते हैं कि एक 93 साल की महिला मूवी थियेटर में काम कर अपना गुजारा कर रही हैं. वीडियो में आप देख सकते हैं कि जैसे ही फिल्म खत्म होती है, दर्शक हॉल से बाहर निकलते दिखते हैं. उसी वक्त महिला अपना काम शुरू कर देती हैं. वह वहां बिखरे कचरे को धीरे-धीरे समेटती है. वह खाली बोतलें और खाने के पैकेट इकट्ठा करती हैं, ताकि अगला शो समय पर शुरू हो सके.

मिलावट का नया तरीका या कलाकार की जादुई कला?

समोसे पर ब्रश से रंग का अनोखा खेल

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ने लोगों को हैरान कर दिया है. वीडियो में एक शख्स समोसे जैसी दिखने वाली चीजों पर ब्रश से रंग लगाता नजर आता है. इसके बाद कुछ लोगों ने मिलावट का दावा किया.

एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने लोगों को कन्फ्यूज कर दिया है.

पहली नजर में ऐसा लगता है कि एक शख्स समोसों पर ब्रश से रंग लगा रहा है. वीडियो सामने आते ही कई लोगों ने इसे खाने में मिलावट का मामला बता दिया, जबकि एक दावा ये भी है कि ये खाने वाले समोसे नहीं, बल्कि सजावट के लिए बनाए गए नकली समोसे हैं. फिलहाल वीडियो को लेकर जमकर बहस छिड़ी हुई है.

वायरल क्लिप में एक व्यक्ति जमीन पर बैठा दिखाई देता है. उसके आसपास समोसे जैसी चीजें रखी हैं. कुछ का रंग हल्का है, जबकि कुछ पहले से सुनहरे रंग की दिखाई देती हैं. वह ब्रश की मदद से इन पर रंग लगाता नजर आता है. पास में रंग से भरे छोटे-छोटे डिब्बे भी रखे हुए हैं. ये नजारा लोगों को उलझन में डाल रहा है, क्योंकि यह किसी कुकिंग प्रोसेस से ज्यादा पेंटिंग जैसा दिखाई देता है.यह वीडियो X पर शेयर किये गया है. जिसका कैप्शन है- मुझे लगा था समोसे शुद्ध होते हैं, लेकिन यहां भी मिलावट हो रही है. इसके बाद वीडियो तेजी से वायरल हो गया और कई लोगों ने खाने की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए. वीडियो पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं. एक यूजर ने लिखा कि समोसे को रंगने की क्या जरूरत है.

सच्चाई अब भी साफ नहीं

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वीडियो में दिख रही वस्तुएं वास्तव में खाने वाले समोसे हैं या सजावट के लिए तैयार किए गए खिलौने . इस वीडियो या उससे जुड़े दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है.फिलहाल सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और लोग अपनी-अपनी समझ के अनुसार इसकी अलग-अलग व्याख्या कर रहे हैं.

पद्म भूषण सम्मान लेने दिल्ली पहुंचे ममूटी, बेटे दुलकर सलमान भी रहे साथ

नई दिल्ली, 23 जून (एजेंसी)।

मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार ममूटी आज पद्म भूषण सम्मान ग्रहण करने के लिए नई दिल्ली पहुंचे। उनके साथ उनके बेटे अभिनेता दुलकर सलमान और परिवार के अन्य सदस्य भी नजर आए। राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में ममूटी को भारतीय सिनेमा में उनके अतुलनीय योगदान के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

एयरपोर्ट पर ममूटी और दुलकर को साथ देख प्रशंसक उत्साहित नजर आए। सोशल मीडिया पर भी उनकी कई तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं।

ममूटी ने अपने चार दशक लंबे फिल्मी करियर में 450 से अधिक फिल्मों में काम किया है। उन्हें पिछले साल यह प्रतिष्ठित सम्मान देने की घोषणा की गई थी।

- राष्ट्रपति भवन में हुआ सम्मान समारोह
- भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए मिला सम्मान

रजनीकांत की 'थलाइवर 173' की शूटिंग शुरू, प्रशंसकों में उत्साह

चेन्नई, 23 जून (एजेंसी)।

सुपरस्टार रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'थलाइवर 173' की शूटिंग आज 23 जून से आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। फिल्म का निर्देशन अश्वथ मारिमुथु कर रहे हैं, जबकि इसका निर्माण कमल हासन के बैनर तले किया जा रहा है।

निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर शूटिंग शुरू होने की जानकारी साझा की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुरुआती शेड्यूल चेन्नई के एक बड़े स्टूडियो में फिल्माया जाएगा। जल्द ही रजनीकांत भी शूटिंग में शामिल होंगे।

फैंस लंबे समय से इस प्रोजेक्ट का इंतजार कर रहे थे। शूटिंग शुरू होने की खबर के बाद सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने खुशी जाहिर की और फिल्म को लेकर अपना उत्साह व्यक्त किया।

- कमल हासन के बैनर तले बन रही फिल्म
- अश्वथ मारिमुथु कर रहे हैं निर्देशन

श्रद्धा कपूर बनीं दिग्गज लावणी कलाकार 'विठाबाई',

'ईथा' का टीजर रिलीज

टीज़र में दिखा श्रद्धा का दमदार और भावनात्मक अवतार, दर्शकों ने की जमकर तारीफ

मुंबई, 23 जून (एजेंसी)।

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ईथा' का टीजर आज 23 जून को रिलीज किया गया। फिल्म में श्रद्धा दिग्गज लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर की भूमिका निभा रही हैं।

टीजर की शुरूआत विठाबाई की पृष्ठभूमि और उनके संघर्ष की झलक से होती है। श्रद्धा कपूर का लावणी डांस, दमदार डायलॉग डिलीवरी और भावनात्मक अभिनय दर्शकों को बांधे रखता है। टीजर में दिखाया गया है कि किस तरह कला और समाज के बीच विठाबाई ने अपनी पहचान बनाई।

सोशल मीडिया पर 'ईथा' का टीजर आते ही श्रद्धा कपूर की एक्टिंग और लुक की खूब तारीफ हो रही है। फैंस का कहना है कि यह उनका अब तक का सबसे चुनोतीपूर्ण और प्रभावशाली रोल लग रहा है।

फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं, जिन्होंने 'सैराट' और 'झुंड' जैसी सराही गई फिल्मों का निर्देशन किया है। फिल्म में रणदीप हुड्डा भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। 'ईथा' मराठी, हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज की जाएगी।

फिल्म 28 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

लखनऊ अग्निकांड: दो मंजिला इमारत में भीषण आग, 15 युवाओं की मौत, कई ने पाइप के सहारे बचाई जान

लखनऊ में अग्निकांड ने 15 परिवारों की खुशियां छीन लीं। दो मंजिला इमारत में लगी आग ने कुछ ही मिनटों में इतना विकराल रूप ले लिया कि किसी को भागने का मौका नहीं मिला।

लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक दर्दनाक अग्निकांड ने पूरे इलाके को दहला दिया। हेड हॉपर स्टूडियो नामक वीडियो गेमिंग और थ्रीडी एनिमेशन जोन में लगी भीषण आग ने कुछ ही मिनटों में पूरी दो मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में 15 युवाओं की मौत हो गई, जबकि कई लोगों ने खिड़कियों और पाइप के सहारे किसी तरह अपनी जान बचाई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग दोपहर करीब 2:15 बजे अचानक लगी और तेजी से पूरे परिसर में फैल गई। शुरुआत में धुआं उठता दिखा, लेकिन कुछ ही पलों में पूरी इमारत घने धुएं से भर गई, जिससे अंदर मौजूद लोगों के लिए सांस लेना भी मुश्किल हो गया। अफरा-तफरी के बीच लोग बाहर निकलने का रास्ता खोजने लगे, लेकिन मुख्य गेट तक पहुंचना भी कठिन हो गया।इमारत में काम कर रही लवप्रीत ने उस भयावह पल को याद करते हुए बताया कि जब वह ऑफिस में काम कर रही थीं, तभी अचानक धुआं भरने लगा। शुरुआत में कुछ समझ नहीं आया, लेकिन देखते ही देखते चारों ओर धुआं फैल गया। उन्होंने बताया कि धुएं के कारण सांस लेना मुश्किल हो गया और लाइट भी चली गई, जिससे पूरा ऑफिस अंधेरे में डूब गया।लवप्रीत के अनुसार, बाहर निकलने की सीढ़ियां भी धुएं में दिखाई नहीं दे रही थीं। उन्होंने घबराकर अपने परिजनों को फोन कर स्थिति की जानकारी दी। इसके बाद किसी तरह वह बिल्डिंग के सामने वाले हिस्से तक पहुंचीं, जहां एक टूटी हुई खिड़की से हल्की रोशनी आ रही थी। उसी दौरान उन्हें एक पाइप दिखाई दिया, जिसके सहारे उन्होंने नीचे उतरकर अपनी जान बचाई। उनके साथ लगभग पांच अन्य लोग भी इसी पाइप के सहारे सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे।इस हादसे में एक अन्य युवक ने घबराहट में दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे गेट के पास गिरने से रीढ़ की हड्डी में चोट आई है और उसका इलाज जारी है। सूत्रों के अनुसार, इमारत के दूसरे तल पर स्थित हेड हॉपर स्टूडियो में एनिमेशन और गेमिंग से जुड़े कार्य होते थे, जहां बड़ी संख्या में युवा कर्मचारी कार्यरत थे। हादसे के समय वहां मौजूद सभी 15 लोगों की उम्र 18 से 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है। ये सभी युवा प्रोफेशनल थे, जो अपने करियर की शुरुआत में थे।घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। हालांकि, आग इतनी भयंकर थी कि उस पर काबू पाने में काफी समय लगा। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का कारण माना जा रहा है, हालांकि प्रशासन ने इसकी पुष्टि के लिए विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। इस दर्दनाक हादसे ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। मृतकों के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है, वहीं स्थानीय लोग प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था और फायर सेफ्टी मानकों की सख्त जांच की मांग कर रहे हैं।

लखनऊ में बड़े मंगल के अंतिम दिन मंदिरों में भारी भीड़

लखनऊ में ज्येष्ठ माह के आठवें और अंतिम बड़े मंगल पर हनुमान मंदिरों में भीड़ है। सुबह 4 बजे से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु हनुमान मंदिरों में दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचने लगे। शहर के प्रमुख मंदिरों—हनुमत धाम, हनुमान सेतु, अलीगंज स्थित श्री महावीर हनुमान मंदिर, प्राचीन हनुमान मंदिर सहित सभी हनुमान मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। भक्तों ने बजरंगबली के दर्शन कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। आज शहर में 1000 हजार से ज्यादा भंडारे हो रहे हैं। मुख्य मार्गों से लेकर मोहल्ले की गलियों तक में भंडारे लगे हैं। शहरभर के मंदिरों में भक्तों के जयकारे और लाउडस्पीकर पर बज रहे भजनों से माहौल भक्तिमय है। अलीगंज प्राचीन मंदिर, पुराने हनुमान मंदिर, हनुमान सेतु, हनुमंतधाम, गुलाचीन, लेटे हनुमान मंदिर और दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में भक्तों का दर्शन के लिए तांता लगा है।

लखनऊ में भीषण गर्मी और उमस से जनजीवन प्रभावित

लखनऊ में सुबह से ही भीषण गर्मी की शुरुआत हो चुकी है। उमस और तपन के बीच घर से बाहर निकलने में लोग परहेज कर रहे है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 42 डिग्री और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री के आसपास बना रहेगा। इस बीच दोपहर के समय में पारा अपने अधिकतम स्तर पर रहेगा। सोमवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री रहा है। यह सामान्य से 3.6 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 30 डिग्री रहा है। यह सामान्य से 3.3 डिग्री अधिक रहा है। अधिकतम आर्द्रता 49 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 29 फीसदी दर्ज की गई है। लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में कोई मौसम तंत्र सक्रिय नहीं होने से आने वाले एक तीन से चार दिनों तक भीषण गर्मी का दौर बना रहेगा। इस बीच तेज गर्म हवा के थपेड़े के साथ में लू का अलर्ट मौसम विभाग ने जारी किया है। इसके साथ ही थंडर स्टार्म के साथ कहीं कहीं बूंदा-बांदी और छिटपुट वर्षा की संभावना भी बनी रहेगी। तापमान में भी आने वाले दिनों में बढ़ोत्तरी जारी रहेगी। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल बिहार तक मानसून

सक्रिय रूप से पहुंच चुका है। एक तरफ जहां उत्तर भारत गर्मी से बेहाल है, वहीं एक लंबे अंतराल के बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून की सक्रियता बढ़ने से राहत की उम्मीद जगी है। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून ने मध्य अरब सागर, महाराष्ट्र, तेलंगाना के कुछ और हिस्सों के साथ-साथ कर्नाटक के शेष भागों को कवर कर लिया है। इसके अलावा यह छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों तथा ओडिशा, झारखण्ड और बिहार के कुछ और इलाकों में आगे बढ़ गया है। आगामी 48 घंटों के भीतर मानसून के मध्य अरब सागर के शेष भागों, महाराष्ट्र के कुछ और हिस्सों, तेलंगाना और ओडिशा के बचे हुए इलाकों के साथ-साथ छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ने की प्रबल संभावना है।

खाताधारकों का लगातार दूसरे दिन भी प्रदर्शन जारी

लखनऊ के मोहन रोड स्थित शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय परिसर में संचालित बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा में कथित एफडी घोटाले को लेकर मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी खाताधारकों का प्रदर्शन जारी रहा। बैंक खुलते ही बड़ी संख्या में पीड़ित खाताधारक शाखा के बाहर एकत्र हो गए और बैंक में ताला लगाकर अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि बैंक मित्र शिवा राव और उसके साथी दीपक ने अधिक ब्याज का लालच देकर एफडी के नाम पर लाखों रुपये जमा कराए थे, लेकिन उनकी जमा राशि सुरक्षित नहीं रही। उनका कहना है कि दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बावजूद अभी तक पीड़ितों को उनकी जमा पूंजी वापस नहीं मिली है। खाताधारकों ने बताया कि 22 मई को बैंक के प्रधान कार्यालय में अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि 22 जून तक सभी पीड़ितों का पैसा लौटा दिया जाएगा। हालांकि, निर्धारित समय सीमा बीत जाने के बाद भी भुगतान नहीं हुआ। इसी के विरोध में सोमवार को भी बैंक के अंदर प्रदर्शन किया गया था, जो देर शाम तक चला। उस दौरान बैंक के चीफ मैनेजर आर.के. सिन्हा ने 24 घंटे के भीतर मामले की प्रगति से अवगत कराने का वादा किया था। मंगलवार सुबह भी इस आश्वासन पर कोई ठोस कार्रवाई न होने से नाराज खाताधारक बैंक खुलने से पहले ही शाखा के बाहर पहुंच गए। बैंक खुलते ही उन्होंने शाखा में ताला लगा दिया और "हमारा पैसा वापस करो" के नारे लगाते हुए धरने पर बैठ गए। इस प्रदर्शन के कारण बैंक का कामकाज पूरी तरह प्रभावित रहा और अन्य ग्राहकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

लखनऊ के इस्माइलगंज वार्ड में बदहाल बुनियादी सुविधाएं

लखनऊ के अयोध्या-फैजाबाद मार्ग स्थित वार्ड नंबर 51 इस्माइलगंज प्रथम में बुनियादी सुविधाओं की बदहाल स्थिति सामने आई है। लखनऊ हाईकोर्ट की दूसरी पटरी के पास बसे इस इलाके में सड़कें, नालियां, सफाई व्यवस्था और पार्कों की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।इंदिरानगर सेक्टर-9, हरिहर नगर, इंसाफ नगर और शंकर पुरी कॉलोनी में कई जगह सड़कें धंस गई हैं और नालियां जर्जर हो चुकी हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि एक साल पहले बनी सड़कें भी अब उखड़ने लगी हैं। किशोरीलाल चौराहे से गुप्ता जनरल स्टोर तक सड़क की गिट्टी उखड़ने लगी है और कई स्थानों पर सड़क की परतें खराब हो गई हैं। लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में बड़े चूहों की वजह से भी सड़कें कमजोर हो रही हैं। वार्ड के कई हिस्सों में सफाई व्यवस्था भी पूरी तरह से चरमराई हुई है। पानी गांव, इंसाफ नगर, हरिहर नगर और अहसान नगर में सड़कों पर गंदगी फैली हुई है। कई घरों में मवेशी पालन के कारण नालियां चोक हो रही हैं, जिससे गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है और बदबू फैल रही है।

लखनऊ में बिजली चोरी के खिलाफ बड़ा अभियान

लखनऊ में बिजली चोरी पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान जारी है। लेसा और विजिलेंस की संयुक्त टीम ने अमीनाबाद, न्यू फरीदीपुर, जानकीपुरम, कमता, गोविंद विहार और राधापुरम सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चेकिंग किया। इस दौरान लोग धड़ल्ले से कटिया लगाकर एसी-कूलर चलाते पाये गए। चेकिंग टीम के पहुंचते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में लोग कटिया हटाने लगे, लेकिन बिजलीकर्मियों ने खंभे से सभी अवैध कनेक्शन काट दिए। जांच में करीब 30 किलोवाट लोड बिजली चोरी पकड़ी गई। विभाग ने 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। अमौसी जोन के न्यू फरीदीपुर में 62 कनेक्शनों की जांच की गई। यहां मीटर बाईपास कर चोरी कर रहे जावेद (5.99 किलोवाट), बाबूलाल (2.49 किलोवाट), किरन अवस्थी (3.00 किलोवाट) और राकेश निषाद (2.21 किलोवाट) के खिलाफ धारा-135 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। जानकीपुरम जोन के गोडियन का

पुरवा मोहल्ले में 52 परिसरों की जांच में 3 उपभोक्ता सीधे केबल जोड़कर कुल 12.85 किलोवाट की चोरी करते मिले। इनमें मंजू सिंह, वीरेंद्र कुमार और हरिराम के विरुद्ध एफआईआर दर्ज हुई। कमता उपकेंद्र के अजय नगर में ईरा मजूमदार (4.0 किलोवाट) को अवैध उपभोग करते पकड़ा गया। वहीं गोविंद विहार और राधापुरम की झुग्गी-झोपड़ियों से सैकड़ों अवैध कटिया कनेक्शन हटाए गए। अमीनाबाद क्षेत्र में भी सुबह की छापेमारी के दौरान रवि और मोहम्मद आमिर के घरों में बिजली चोरी पकड़ी गई।

बड़े मंगल पर उन्नाव में उमड़ा आस्था का जनसैलाब, मंदिरों में दिनभर रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़

उन्नाव: ज्येष्ठ माह के आठवें बड़े मंगल के पावन अवसर पर मंगलवार को पूरा उन्नाव जनपद भक्तिमय वातावरण में डूबा नजर आया। शहर से लेकर शुक्लागंज तक स्थित हनुमान मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा के आयोजन ने पूरे क्षेत्र को भक्ति के रंग में सराबोर कर दिया।सुबह होते ही श्रद्धालु स्नान कर मंदिरों की ओर निकल पड़े। मंदिरों में पहुंचकर उन्होंने भगवान हनुमान की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और अपने परिवार की सुख-समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य तथा जीवन में आने वाले संकटों से मुक्ति की कामना की। शहर के प्रमुख मंदिरों में सुबह से लेकर देर शाम तक दर्शन-पूजन का सिलसिला लगातार जारी रहा। इस दौरान महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की बड़ी संख्या में भागीदारी देखने को मिली।कई मंदिरों में अखंड सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, वहीं सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ भी हुआ। श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा और भक्ति भाव से इन धार्मिक आयोजनों में हिस्सा लिया। मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और भगवान हनुमान का विशेष श्रृंगार किया गया, जिससे मंदिरों का वातावरण और भी अधिक मनोहारी हो गया। हर तरफ भक्ति गीतों और जयकारों की गूंज सुनाई देती रही।बड़े मंगल के अवसर पर जिले भर में जगह-जगह भंडारों का आयोजन किया गया। उन्नाव शहर, शुक्लागंज, प्रमुख बाजारों, चौराहों और विभिन्न मोहल्लों में सामाजिक संगठनों, व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने श्रद्धालुओं और राहगीरों के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था की। इन भंडारों में पूरी-सब्जी, हलवा, बूंदी सहित अन्य व्यंजन प्रसाद के रूप में वितरित किए गए। लोगों ने बढ़-चढ़कर इन भंडारों में भाग लिया और सेवा कार्य में सहयोग किया।भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए कई स्थानों पर शरबत और पेयजल शिविर भी लगाए गए। व्यापारिक प्रतिष्ठानों और सामाजिक संस्थाओं के कार्यकर्ताओं ने राहगीरों को ठंडा शरबत और स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया। इन शिविरों पर दिनभर लोगों की भीड़ लगी रही और लोगों ने राहत महसूस की। इसी क्रम में ट्रैफिक कार्यालय परिसर में भी एक विशेष धार्मिक आयोजन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह के निर्देशन में शरबत वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण किया। पुलिस विभाग की इस पहल को लोगों ने सराहा। कुल मिलाकर बड़े मंगल के इस पावन अवसर पर उन्नाव जनपद में भक्ति, सेवा और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला। धार्मिक आस्था के साथ-साथ सेवा भाव ने इस पर्व को और भी विशेष बना दिया।

उन्नाव में जीआरपी जवानों ने बचाई घायल यात्री की जान

उन्नाव में जीआरपी जवानों ने एक घायल यात्री की जान बचाई। चलती ट्रेन से गिरे बिहार निवासी यात्री को समय पर अस्पताल पहुंचाया गया, जिससे उसे तत्काल उपचार मिल सका। जानकारी के अनुसार, बिहार के मोहम्मदपुर थाना, जिला बुझा निवासी सोराज पुत्र नागेश्वर ट्रेन से यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान वह चलती ट्रेन से गिरकर रेलवे ट्रैक के पास गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही जीआरपी टीम तुरंत मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर रेलवे ट्रैक दुर्गम होने और वाहन की अनुपलब्धता के कारण घायल को अस्पताल पहुंचाना चुनौतीपूर्ण था। ऐसे में उन्नाव जीआरपी में तैनात आरक्षी सचिन ने साहस दिखाते हुए घायल यात्री को अपने कंधों और गोद में उठाया। वह करीब 1.5 किलोमीटर पैदल चलकर उसे अस्पताल ले गए। इस दौरान जीआरपी के उपनिरीक्षक सूरज कन्नौजिया, मुख्य आरक्षी संजीव कुमार और आरक्षी पंकज यादव ने भी सक्रिय सहयोग किया। पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों से घायल यात्री को समय रहते चिकित्सकीय सहायता मिल पाई। जीआरपी कर्मियों की इस तत्परता और सेवा भावना की घायल यात्री और उनके परिजनों ने सराहना की। परिजनों ने बताया कि पुलिसकर्मियों की समय पर की गई मदद से घायल को बेहतर इलाज मिल सका।

उन्नाव में सर्राफा व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर अहम बैठक

उन्नाव में सर्राफा व्यापारियों की सुरक्षा और अपराधों की रोकथाम के लिए मंगलवार को पुलिस लाइन सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जय प्रकाश सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की। इसमें जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए सर्राफा व्यापारियों के साथ अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी शैलेन्द्र लाल और क्षेत्राधिकारी बांगरमऊ हर्ष मोदी सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान थाना औरास क्षेत्र में सर्राफा व्यवसायी के साथ हुई लूट की घटना के सफल अनावरण की विस्तृत जानकारी दी गई। एसएसपी ने बताया कि पुलिस टीमों ने लगातार प्रयास करते हुए घटना में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार किया और लूटे गए माल की बरामदगी की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने व्यापारियों को पुलिस की कार्रवाई, अपराधियों की गिरफ्तारी और घटना के खुलासे के लिए किए गए प्रयासों से अवगत कराया। उन्होंने आश्वस्त किया कि पुलिस व्यापारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर है और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है। गोष्ठी के दौरान एसएसपी ने सर्राफा व्यापारियों से सीधा संवाद किया। व्यापारियों ने अपनी सुरक्षा संबंधी समस्याएं, सुझाव और चिंताएं पुलिस अधिकारियों के सामने रखीं। एसएसपी ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसएसपी ने व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की अपील की। उन्होंने सभी सर्राफा व्यापारियों को अपनी दुकानों पर उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे, अलार्म सिस्टम और अन्य सुरक्षा उपकरण लगवाने की सलाह दी। साथ ही, प्रतिष्ठान बंद करते समय और सामान ले जाते समय विशेष सावधानी बरतने को कहा गया। पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों से यह भी कहा कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तत्काल स्थानीय पुलिस को दें, जिससे समय रहते कार्रवाई की जा सके। बैठक में पुलिस और सर्राफा व्यापारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया गया, क्योंकि अपराध नियंत्रण में पुलिस के साथ आम लोगों और व्यापारियों का सहयोग बेहद महत्वपूर्ण है।

उन्नाव में सर्राफा व्यवसायी से लूट का खुलासा

तीन आरोपी गिरफ्तार, 8 किलो चांदी के जेवरात बरामद

उन्नाव पुलिस ने सर्राफा व्यवसायी से हुई लाखों रुपये की लूट का खुलासा कर दिया है। एसओजी, सर्विलांस और औरास पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लगभग 8 किलोग्राम चांदी के जेवरात, बिक्री के 4.50 लाख रुपये नकद और घटना में इस्तेमाल की गई फर्जी नंबर प्लेट लगी मोटरसाइकिल बरामद की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह के अनुसार, यह घटना बीते 8 जून को हुई थी। रामपुर खंझड़ी निवासी सर्राफा व्यवसायी प्रभात कुमार ने थाना औरास में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया था कि सीसी चौराहा स्थित अपनी ज्वैलरी की दुकान बंद कर वह चांदी के आभूषणों से भरा बैग लेकर घर जा रहे थे। शाम करीब 7 बजे दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार बदमाशों ने रास्ते में उन्हें रोक लिया और चांदी के जेवरों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उन्नाव ने घटना के खुलासे के लिए एसओजी, सर्विलांस और थाना औरास पुलिस की संयुक्त टीमें गठित की थीं। जांच के दौरान पुलिस को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, क्योंकि घटनास्थल से लगभग 16 किलोमीटर तक कोई सीसीटीवी कैमरा उपलब्ध नहीं था। इसके बावजूद, पुलिस टीमों ने गहन छानबीन कर आरोपियों तक पहुंचने में सफलता हासिल की। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि उन्होंने वारदात को अंजाम देने से पहले कई महीनों तक रेकी की थी। आरोपी रंजीत ने लगभग पांच माह पहले सर्राफा दुकान और व्यापारी के आने-जाने के रास्ते की विस्तृत जानकारी जुटाई थी। इसके बाद, बदमाशों ने तीन दिन तक लगातार शाम के समय रेकी की। उन्होंने ऐसी दुकान को निशाना बनाया जहां तिजोरी की व्यवस्था नहीं थी और दुकानदार के गांव का नाम दुकान पर लिखा होने से उनके आने-जाने का रास्ता आसानी से पता चल गया था। पुलिस के अनुसार, बदमाश ऐसी जगहों पर वारदात करते थे जहां से भागने के लिए नहर पटरी या ऐसे रास्ते उपलब्ध हों, जहां सीसीटीवी कैमरे न लगे हों। घटना में इस्तेमाल होने वाले वाहनों पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई जाती थी ताकि उनकी पहचान न हो सके।

उन्नाव में हज़रत क़ासिम की याद में मेहंदी जुलूस

उन्नाव में छठी मोहर्रम के अवसर पर सोमवार रात हज़रत क़ासिम की याद में पारंपरिक मेहंदी का जुलूस निकाला गया। शहर के चौधराना क्षेत्र से शुरू हुए इस जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। पूरे रास्ते नौहाखानी और मातम से माहौल गमगीन रहा। इस ऐतिहासिक जुलूस में अंजुमन-ए-हुसैनिया के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने नौहाखानी करते हुए सीना ज़नी की और कर्बला के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। जुलूस में शामिल लोग हज़रत इमाम हुसैन और उनके साथियों के बलिदानों को याद कर रहे थे। मेहंदी का यह जुलूस चौधराना से प्रारंभ होकर पुरानी बाजार, धुबियाना और राम नगर समेत कई मुख्य मार्गों से गुजरा। रास्ते भर लोगों ने जुलूस का स्वागत किया और कर्बला के शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की। यह जुलूस अंततः चौधराना लौटकर संपन्न हुआ।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मोहर्रम के दौरान हज़रत क़ासिम की याद में मेहंदी का जुलूस निकाला जाता है। बताया जाता है कि कर्बला की जंग में हज़रत क़ासिम ने कम उम्र में ही साहस और बलिदान का प्रदर्शन किया था। उनकी शहादत को याद करने के लिए हर साल मोहर्रम में यह परंपरा निभाई जाती है।

शुक्लागंज में नए गंगापुल निर्माण के लिए ध्वस्तीकरण अभियान शुरू

शुक्लागंज में नए गंगापुल निर्माण का रास्ता साफ करने के लिए प्रशासन ने मंगलवार को एक बार फिर बड़ा ध्वस्तीकरण अभियान शुरू किया। पुल निर्माण में बाधा बन रहे चिन्हित मकानों पर बुलडोजर चलाया गया। भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में कार्रवाई शुरू होते ही इलाके में हलचल बढ़ गई। कई परिवार अपने घरों से सामान निकालते नजर आए, जबकि कुछ लोगों ने मुआवजे और वैकल्पिक व्यवस्था की मांग उठाई। मंगलवार सुबह से ही शुक्लागंज क्षेत्र में प्रशासन, नगर पालिका और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंच गई थी। नए गंगापुल के नीचे और आसपास निर्माण कार्य में बाधा बन रहे मकानों को हटाने के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई। इसके बाद बुलडोजर की मदद से चिन्हित निर्माणों को गिराने का काम शुरू हुआ। अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रशासन के अनुसार कुल 38 मकानों को ध्वस्तीकरण के लिए चिन्हित किया गया है। संबंधित मकान मालिकों को पहले ही नोटिस जारी कर कार्रवाई की जानकारी दे दी गई थी। अधिकारियों का कहना है कि पुल निर्माण परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए यह कदम आवश्यक है। निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं को हटाकर परियोजना को गति देने का प्रयास किया जा रहा है।

कानपुर में कोचिंग संस्थानों पर केडीए की बड़ी कार्रवाई, 16 सेंटर सील, विवाद भी गहराया

कानपुर में केडीए ने सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर 16 कोचिंग सेंटर सील किए। लखनऊ अग्निकांड के बाद अभियान तेज हुआ। संचालकों ने कार्रवाई पर सवाल उठाए, जांच जारी है।

कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने नियमों के उल्लंघन और सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर कोचिंग संस्थानों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाते हुए शहर में 16 कोचिंग सेंटरों को सील कर दिया है। इस कार्रवाई के बाद शहर में नया विवाद खड़ा हो गया है, जहां प्रशासन अपनी कार्रवाई को नियमों के तहत बता रहा है, वहीं कई कोचिंग संचालकों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। यह कार्रवाई लखनऊ के अलीगंज में हुए भीषण अग्निकांड के बाद शुरू किए गए राज्यव्यापी सुरक्षा अभियान का हिस्सा है। उस हादसे के बाद प्रदेश सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों, विशेषकर कोचिंग सेंटरों में अग्नि सुरक्षा और भवन मानकों की जांच के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में सोमवार को कानपुर में केडीए की टीम ने चारों जोनों में एक साथ व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया।केडीए की टीम ने जोन-1ए में तीन, जोन-2बी में पांच, जोन-3 में तीन और जोन-4 में पांच कोचिंग सेंटरों को सील किया। इसके साथ ही 22 अन्य कोचिंग संस्थानों को भी चिन्हित किया गया है, जहां दस्तावेजों और सुरक्षा मानकों की विस्तृत जांच जारी है। अधिकारियों ने बताया कि कई संस्थानों में भवन मानचित्र, अग्निशमन सुरक्षा प्रमाणपत्र, पार्किंग व्यवस्था और अन्य आवश्यक स्वीकृतियों की कमी पाई गई।निरीक्षण के दौरान टीम ने कई कोचिंग सेंटरों से जरूरी दस्तावेज मांगे। जिन संस्थानों में मानकों का पालन नहीं पाया गया, उनके खिलाफ मौके पर ही सीलिंग की कार्रवाई की गई। प्रशासन का कहना है कि छात्रों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हालांकि, इस कार्रवाई के बाद कई कोचिंग संचालकों ने केडीए पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध होने के बावजूद उनके संस्थानों को सील कर दिया गया। कुछ संचालकों ने यह भी दावा किया कि कार्रवाई के दौरान उन्हें अस्पष्ट और विरोधाभासी संदेश दिए गए।सबसे ज्यादा चर्चा उस कथित बयान को लेकर है, जिसमें एक कोचिंग संस्थान के संचालकों ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने कहा—"आज सील करा लो, कल खुलवा देंगे।" इस बयान के सामने आने के बाद कार्रवाई की पारदर्शिता को लेकर बहस तेज हो गई है और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों में भी चिंता बढ़ी है। वहीं, केडीए सचिव अभय पांडे ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि अभियान पूरी तरह नियमों और सुरक्षा मानकों के आधार पर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई कोचिंग सेंटर निर्धारित मानकों का पालन नहीं कर रहे थे, जो छात्रों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी स्थिति में छात्रों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जाएगा और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। केडीए ने संकेत दिए हैं कि जिन 22 संस्थानों को चिन्हित किया गया है, उनकी जांच पूरी होने के बाद आगे भी सख्त कार्रवाई हो सकती है। इस पूरे घटनाक्रम के बाद कानपुर में कोचिंग संस्थानों और प्रशासन के बीच तनाव का माहौल बन गया है, जबकि छात्र और अभिभावक सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

मेरठ में दोस्त को शराब पिलाकर ईंट से कूच डाला

मेरठ में दोस्त ने शराब पिलाकर युवक की हत्या कर दी। सोमवार सुबह आर्मी ग्राउंड में खून से लथपथ युवक का शव पड़ा मिला। पुलिस की जांच में सामने आया कि विपिन की हत्या उसके दोस्त तालिब ने पुरानी रंजिश के चलते की। दोनों ने रविवार रात साथ बैठकर शराब पी, जिसके बाद तालिब ने ईंट से कूच कर विपिन को मार डाला। तालिब विपिन के शव के पास ही उसकी बाइक छोड़कर भाग गया। विपिन के परिवार वालों के साथ हिंदू संगठन के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचकर प्रदर्शन करने लगे। सभी तालिब के घर बुलडोजर एक्शन और उसके एनकाउंटर की मांग करने लगे। पुलिस अफसरों ने किसी तरह समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। घटना कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र की है। सोमवार सुबह कंकरखेड़ा के आर्मी ग्राउंड में एक अज्ञात शव पड़ा मिला था। शव के ऊपर बाइक पड़ी हुई थी। आते-जाते लोगों ने लाश देखी तो 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। थाना पुलिस सहित एसपी सिटी भी मौके पर पहुंचे। शव की पहचान न्यू गोविंदपुरी निवासी विपिन के रूप में हुई। पुलिस की सूचना पर पहुंचे विपिन के घरवालों ने बताया कि विपिन मजदूरी करता था। वह रविवार रात 8 बजे से गायब था। उसका फोन बंद था। हम लगातार उसे कॉल कर रहे थे, लेकिन बात नहीं हो पा रही थी। रातभर वो घर नहीं आया। विपिन की हत्या की गई है, क्योंकि उसकी लाश खून से लथपथ है।

फर्रुखाबाद में पुलिस कार्रवाई का असर, हिस्ट्रीशीटर ने किया आत्मसमर्पण

उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ लगातार हो रही पुलिस कार्रवाई का असर अब साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। फर्रुखाबाद में एक ऐसा मामला सामने आया है, जहां पुलिस मुठभेड़ के डर से एक हिस्ट्रीशीटर खुद ही अपने परिवार के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच गया और आत्मसमर्पण कर दिया। आरोपी को देखते ही वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे हिरासत में ले लिया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। इस घटना की इलाके में काफी चर्चा हो रही है और लोग इसे पुलिस के बढ़ते दबाव का परिणाम मान रहे हैं। जानकारी के अनुसार, मोहम्मदाबाद क्षेत्र के गांव गनेशपुर निवासी रघुवीर की 9 जून की रात भैंस चोरी हो गई थी। इस घटना के बाद पीड़ित ने गांव गढ़िया निवासी हिस्ट्रीशीटर रामवीर उर्फ करू, उसके भाई सिंटू और परिवार के ही एक अन्य सदस्य हवलदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आरोपियों ने मिलकर भैंस चोरी की घटना को अंजाम दिया। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी थी और आरोपियों की तलाश की जा रही थी।

अयोध्या राम मंदिर दानपात्र चोरी मामले में एसआईटी रिपोर्ट शासन को सौंपी

अयोध्या राम मंदिर दान पात्र में चोरी की जांच के लिए बैठाई गई एसआईटी ने अपनी जांच रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। जिसमें बड़ी खामियां निकाल कर सामने आई है। इसके पहले करीब 100 लोगों से पूछताछ की गई थी। जिसमें प्रमुख मुद्दा दानपात्र और मंदिर की व्यवस्था से जुड़ा था। एसआईटी की जांच में निकलकर सामने आया कि मंदिर के चारों तरफ 35 दानपात्र लगाए गए थे। जिनको लोहे के कंटेनर में काउंटिंग रूम तक ले जाया जाता था। ड्रेस कोड, नोट गिनने वाले कर्मचारियों की चेकिंग, सीसीटीवी फुटेज, कर्मचारियों की भर्ती आदि में भी बड़ी लापरवाही निकलकर सामने आई है। सोने चांदी के चढ़ावे में भी हेरफेर किया गया है। इस मामले में एसआईटी ने सुझाव भी दिए हैं। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर के दर्शन के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। आस्था का जनसैलाब श्री राम मंदिर के खजाने को भी भर रहा है। दानपात्र में करोड़ों रुपए का चढ़ावा आता है। बीते दिनों अखिलेश यादव ने दानपात्र में चोरी का गंभीर आरोप लगाया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विवाद के बाद तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया जिसने पूरे मामले की जांच की। लखनऊ से आई 3 सदस्यीय एसआईटी ने 100 सबसे ज्यादा लोगों से पूछताछ की। सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला।